पत्रकारिता, शिक्षा के प्रचार–प्रसार का सशक्त माध्यम– एक समीक्षात्मक अध्ययन

A Critical Study of Journalism as a Strong Medium of Publicity for Education

By

N.Mohana

एन. मोहना

Supervisor

Dr.Shashi Prabha Jain

A Thesis submitted to

AVINASHILINGAM INSTITUTE FOR HOME SCIENCE AND HIGHER EDUCTION FOR WOMEN.

Coimbatore - 641043.

In partial fulfilment of the requirement for the Degree of

Doctor of Philosophy in Hindi.

May 2015

CERTIFICATE

This is to certify that the dissertation entitled **"A critical study of Journalism as a strong medium of publicity for education"** Submitted to Avinashilingam Institute for Home Science and Higher Education for Women, Coimbatore in partial fulfilment of the requirements for the award of the degree of Doctor of Philosophy in Hindi is a record of original research work done by N.Mohana, during the period of her study in the Department of Hindi, Avinashilingam Institute for Home Science and Higher Education for Women, Coimbatore, under my supervision and guidance and the dissertation has not formed the basis for the award of any Degree/ Diploma/ Associateship/Fellowship or other similar title to any candidate of any other University and it represents entirely an independent work on the part of the candidate .

Signature of the Guide

Signature of the Head of the Department

Signature of the Dean of Humanities

DECLARATION

I do hereby declare that the Thesis entitled **"A critical study of Journalism as a strong medium of publicity for education"** Submitted to Avinashilingam Institute for Home Science and Higher Education for Women, Coimbatore in partial fulfilment of the requirements for the award of the Degree of Doctorate of Philosophy in Hindi is a record of original research work done by me under the Supervision and Guidance of Dr.Shashi Prabha Jain, M.A, PGDT, Ph.d(Ranchi University)Professor, Department of Hindi, Avinashilingam University for Home Science and Higher Education for Women, Coimbatore, and that has not formed the basis for the award of any Degree/ Diploma/ Associateship/Fellowship or other similar title to any candidate of any other University.

Shashi prabha Jain

Signature of the Guide

N. Mohana

Signature of the Candidate

कृतज्ञता ज्ञापन

कृतज्ञता ज्ञापन

सर्वप्रथम मैं सृष्टिकर्ता के प्रति आभारी हूँ जिसने मुझे शारीरिक एवं मानसिक शक्ति प्रदान की और साहस और धैर्य प्रदान किया जिससे मैं अपना यह शोध कार्य सफलतापूर्वक करने में समर्थ हो सकी। मैं हमारे अय्या डॉ.टी. एस.अविनाशिलिंगम और अम्मा डॉ.राजम्माल .पी. देवदास के प्रति आभारी हूँ जिसके आर्शीवाद से मुझे पी.एच.डी करने का सुअवसर मिला। अविनाशिलिंगम विश्वविद्यालय, कोयम्बत्तूर के माननीय कुलाधिपति महोदय श्री.टी एस. के. मीनाक्षीसुन्दरम जी एम.ए, एम.फिल, पी.एच.डी एवं उपकुलपति महोदया डॉ. शीला रामचन्द्रन एम.एस.सी, पी.जी.डिप्लोमा, पी.एच.डी के प्रति मैं सर्वप्रथम अपना आभार प्रकट करती हूँ, जिन्होंने मुझे इस शोध कार्य को करने का सुअवसर प्रदान किया। हमारी पूर्व कुलसचिव महोदया डॉ. गौरी रामकृष्णन एम.एस.सी,एम. फिल, पी.एच.डी, एवं डॉ. वेनमति पी.एच.डी (कार्यवाहक)के प्रति मैं अपना आभार प्रकट करती हूँ जिन्होंने मुझे प्रशासनिक कार्य के कार्यान्वयन में सहयोग दिया।

हमारी संकायाध्यक्षा डॉ.नीलावती एम.ए,एम.फिल,पी.एच.डी एवं विभागाध्यक्षा, डॉ.शोभना कोक्काडन जी एम.ए, एम.फिल,पी.एच.डी(कोच्चिन) को हार्दिक धन्यवाद देती हूँ जिन्होंने मुझे प्रोत्साहन दिया।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध का प्रणयन हिन्दी विभाग की प्रोफेसर डॉ. शशिप्रभा जैन,एम.ए(मद्रास विश्वविद्यालय),पी.एच.डी(राँची विश्वविद्यालय),पी.जी.डी.टी(एस.बी. ए.ओ.ऐ,चैन्नै) के सुयोग्य निर्देशन में हुआ है। उन्होंने शोध की वैज्ञानिक प्रक्रिया से मुझे निष्णात कराकर उचित मार्ग निर्देशन दिया। आपके मार्गदर्शन ने मुझे हर कदम पर प्रोत्साहन दिया। उनके प्रोत्साहन से ही मुझे इस कार्य में पूरी सफलता मिली। उनके प्रति मैं बहुत आभारी हूँ।

मैं विशेष रूप से हमारी पुस्तकालयाध्यक्षा, श्रीमती.पी प्रेसिल्ला रानी एम. ए,एम.एल.एस,एम.फिल एवं केन्द्रीय पुस्तकालय, कोयम्बत्तूर के पुस्तकालयाध्यक्ष के प्रति आभारी हूँ जिन्होंने मेरे शोध प्रबन्ध लेखन के लिए उपयुक्त संदर्भ सामग्री प्रदान कर मेरी सहायता की। अन्य पुस्तकालयाध्यक्ष जैसे कोच्चिन विश्वविद्यालय, कोच्चिन, श्री.शंकराचार्य विश्वविद्यालय कालडी, ट्रिवेन्ट्रम विश्वविद्यालय, केन्द्रीय पुस्तकालय, ट्रिवेन्ट्रम, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा पुस्तकालय, ट्रिवेन्ट्रम, कन्निमारा पुस्तकालय चेन्नै, दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा पुस्तकालय, चैन्नै के प्रति आभारी हूँ ।

मैं 'दि टाइम्स ऑफ इण्डिया' ,'दि हिन्दू', 'मलयालम मनोरमा', समाचार पत्र कार्यालय के पत्रकारों , संवाददाताओं एवं सम्पादकों को धन्यवाद देती हूँ जिन्होंने अपने मूल्यवान सुझाव दिए। 'मलयालम मनोरमा','विक्टर्स' के टेलिविजन संवाददाताओं के प्रति आभारी हूँ जिन्होंने मेरे शोध कार्य हेतु कई समर्थक सुझाव दिया।

मैं विभिन्न विश्वविद्यालय के आचार्य गणों, उद्योपतियों एवं छात्रों को भी धन्यवाद देती हूँ जिन्होंने अपने बहूमुल्य सुझाव दिए।

मैं अपने पूज्य माताजी, पिताजी,एवं पति के प्रति आभारी हूँ जिन्होंने मुझे इस शोध प्रबन्ध लेखन में पूरा मानसिक सहयोग दिया। मुझसे जाने अनजाने में हुई त्रुटियों के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ।

एन.मोहना

प्राक्कथन

प्राक्कथन

पत्रकारिता आधुनिक युग की लेखन विधाओं में सर्वाधिक जीवन्त एवं प्रभावशाली विधा है। पत्रकारिता जन–सेवा और शिक्षा के प्रचार–प्रसार का सशक्त माध्यम है। हवा–पानी और भोजन अगर मनुष्य के जीवित रहने के लिए जरूरी है तो जीवनयापन में सूचनाओं के आदान–प्रदान के लिए पत्रकारिता महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह जीवन से सीधा जुड़ा है। पत्रकारिता का प्रथम प्रमुख कर्तव्य अन्याय का उद्घाटन करना विसंगतियों का सुधार करना, परामर्श देना, समाज का मार्गदर्शन करना तथा व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र का बहुआयामी उत्थान करना होता है। सूचना क्राँति, संचार क्राँति, तकनीकी क्राँति के साथ–साथ सारी दुनिया में विकास बहुत तेज़ी से बढ़ रहा है। शिक्षा मानव–समाज की विशेषता है और मानव–जीवन का प्रमुख अंग है। **शिक्षा के बिना मानव अधूरा है और शिक्षा के फलस्वरूप ही वह पशुता की निम्न कोटि से ऊपर उभरता है।** शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य के मन को मुक्त करना है। नये रूप में बढ़ते औद्योगिकरण के कारण शैक्षिक क्षेत्र में भी प्रगति एवं परिवर्तन की गति भी जोर पकड़ रही है। शैक्षिक जरूरतों के अनुरूप समाचार, अखबार एवं रेडियो, टी.वी के कार्यक्रम प्रस्तुत करते हैं। शिक्षा के प्रचार–प्रसार के लिए पत्रकारिता के साथ इंटरनेट, ई–मेल, लैपटॉप, मोबाइल, आईपॉड इत्यादि लोगों की जुबान पर चढ़ चुके हैं। इससे लोगों में सोचने–समझने और सच्चाई को जानने में काफी मददगार साबित हो चुका है।

मुझे बचपन से ही शिक्षा और पढ़ाई से संबंधित विषयों का बहुत शौक था। इससे संबन्धित जानकारी को प्राप्त करने हेतु मेरे अंदर एक जिज्ञासा बनी रहती थी। पी.एच.डी करने के दौरान इस जिज्ञासा को एक नई दिशा मिली और उस पर गहराई से अध्ययन करना मेरा लक्ष्य बन गया ताकि इसे एक नया रूप मिले। शिक्षा के प्रचार–प्रसार, दैंनंदिन की घटनाओं, राजनीतिक विचारधाराओं,

नवीन जीवन मूल्यों को स्थापित करने में पत्रकारिता किस हद तक सफल हुई है, शिक्षा से संबंधित विषयों के प्रस्तुतीकरण आदि के बारे में पत्रकारिता कहाँ तक प्रभावी एवं उपयोगी सिद्ध हुई है – इन विचारों से भी प्रेरित होकर मैंने अपने शोध प्रबंध के लिए **" पत्रकारिता, शिक्षा के प्रचार–प्रसार का सशक्त माध्यम– एक समीक्षात्मक अध्ययन "** शीर्षक चुना है। अब तक शिक्षा और पत्रकारिता के संबंध में प्रस्तुत किए गए शोध व शोधार्थियों की विवरणिका आगे प्रस्तुत की गयी है। किसी ने इस विषय की दिशा में काम नहीं किया है इसलिए मैंने यह शीर्षक चुना है।

अब तक शिक्षा और पत्रकारिता से संबंधित कार्यों पर प्रस्तुत किए गए शोध व शोधार्थियों की विवरणिका :

DETAILS OF THE SCHOLARS AND THESIS DONE RELATED TO JOURNALISM AND EDUCATION SO FAR:

क्र. सं	शीर्षक	शोधार्थी	स्थान / विश्वविद्यालय	वर्ष
1	महाराष्ट्र में हिन्दी की शिक्षाःमातृभाषायी व्याघात और उपाय	श्री. सोनार	North Maharashtra University, Jalgaon.	2010
2	New media development and issues	J.Varghese Riju	Bharathiyar university	2009
3	महाविद्यालय स्तर के मराठी भाषी छात्रों की हिन्दी (द्वितीय भाषा के रूप में) की लिखावट में होनेवाली त्रुटियों का विश्लेषण, वर्गीकरण एवं उनके सुधार की दिशाएँ नंदुरबार जिले के विशेष संदर्भ में	श्री पठाण युनुसखान जी	North Maharashtra University, Jalgaon.	2007
4	Problems of translation on Hindi on Mass Communication media.	Balkrishnan vannadi	University of Calicut	1997
5	The contribution of AIR in promoting Hindi as a link language: Achievements and possibilities.	Sasindran.P	University of Calicut	1993

6	Kerala mem Hindi Sikhan ka vikas aur Malayalam bhashi chatrom ki Samasyayam	Chandrang adan A.R	Cochin University of Science and Technology.	1985
7	A study of the contribution of foreign schools to the development of Hindi	Jose Austin onamthurut hi.H	University of Calicut	1979.

प्रस्तुत शोध कार्य को सात अध्यायों में विभाजित किया है। **प्रथम** अध्याय में पत्रकारिता के स्वरूप, उद्देश्य एवं महत्व के बारे में विवरण दिया है तथा पत्रकारिता के विभिन्न विषयों से संबंध एवं पत्रकारिता और शिक्षा पर भी विवेचन किया गया है।

द्वितीय अध्याय में शिक्षा की मूल बातों पर , शिक्षा– मानव जीवन की नींव के बारे में सामान्य परिचय प्रस्तुत किया है। शिक्षा जगत में जनसंचार की भूमिका के बारे में चर्चा की है। शिक्षा की चुनौतियों और पौराणिक एवं आधुनिक संचार माध्यम के बारे में उल्लेख किया गया है।

तृतीय अध्याय में शिक्षा एवं पत्रकारिता के अन्योन्याश्रित संबंध को, सर्वोपयोगी शिक्षा एवं पत्रकारिता के बारे में चर्चा की गयी है। संचार एवं पत्रकारिता का पारस्परिक संबंध एवं पत्रकारिता के द्वारा शिक्षा के प्रचार–प्रसार पर प्रकाश डाला गया है।

चतुर्थ अध्याय में शिक्षा की गुणवत्ता में पत्रकारिता का योगदान, पारंपरिक पत्रकारिता और वेब पत्रकारिता द्वारा शिक्षा, भूमण्डलीकरण के दौर में शिक्षा पर पत्रकारिता का प्रभाव आदि विषयों पर विश्लेषण एवं चर्चा की गयी है।

पंचम अध्याय में ई–गवर्नेंस, ई–जर्नलिज्म और उसकी लोकप्रियता एवं इंटरनेट पत्रकारिता में शिक्षा की स्थितियों का विवरण प्रस्तुत किया गया है।

षष्ठम अध्याय में इसी क्षेत्र के विभिन्न स्तरों की प्रश्नावली एवं प्रमुख हस्ताक्षरों के साथ साक्षात्कार भी प्रस्तुत किया गया है।

अंतिम अध्याय, **उपसंहार** के अंतर्गत सभी का समग्र रूप में विश्लेषण एवं मूल्यांकन किया गया है। अंत में परिशिष्ट एवं सहायक ग्रंथों की सूची प्रस्तुत की गई है। इस शोध कार्य में जाने अनजाने में त्रुटियाँ हुई होगी। मैं उन त्रुटियों के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ और विद्वज्जनों से अमूल्य सुझाव की अपेक्षा रखती हूँ।

विषयानुक्रमणिका

विषयानुक्रमणिका

क्र.सं	विषय	पृ.सं

प्रथम अध्याय

❖ **पत्रकारिता की अवधारणा, अर्थ एवं स्वरूप** 1—36

1.1 पत्रकारिता का स्वरूप 3

1.2 पत्रकारिता का उद्‌देश्य एवं महत्व 6

1.3 पत्रकारिता का विभिन्न विषयों से संबंध 24

1.4 पत्रकारिता एवं शिक्षा 31

द्वितीय अध्याय

❖ **मानव जीवन में शिक्षा की भूमिका एवं उसके विविध स्त्रोत** 37—72

2.1 शिक्षा के मूल स्त्रोत 37

2.2 शिक्षा—मानव जीवन की नींव 46

अ. व्यक्तित्व निर्माण एवं सर्वांगीण विकास का सशक्त साधनः शिक्षा 51

ब. शिक्षा का सामाजिक दायित्व 55

स. शिक्षा के विभिन्न आयाम 56

2.3 शिक्षा जगत में जनसंचार की भूमिका 58

अ. प्रिंट मीडिया के संदर्भ में – 61

ब. इलेक्ट्रानिक मीडिया के संदर्भ में – 62

2.4 शिक्षा की चुनौतियाँ – पौराणिक एवं आधुनिक संचार माध्यम 65

तृतीय अध्याय

❖ **शिक्षा एवं पत्रकारिता का अन्योन्याश्रित संबंध– विभिन्न पहलू** 73–107

3.1 शिक्षा के प्राण तत्व हैं– ज्ञान, शिष्टता,व्यावहारिकता, संवाद एवं संप्रेषण 73

3.2 सर्वोपयोगी शिक्षा एवं पत्रकारिता 78

3.3 शिक्षा में संचार की अदाएगी 83

अ.शिक्षा के क्षेत्र में संचार एवं पत्रकारिता का पारस्परिक संबंध 83

3.4 पत्रकारिता के द्वारा शिक्षा का प्रचार–प्रसार 92

चतुर्थ अध्याय

❖ **साहित्यिक शिक्षा के संदर्भ में पत्रकारिता का योगदान** 108–141

4.1 शिक्षा की गुणवत्ता में पत्रकारिता का योगदान 111

4.2 पारंपरिक पत्रकारिता और वेब पत्रिकारिता द्वारा शिक्षा 121

4.3 भूमण्ड़लीकरण के दौर में शिक्षा पर पत्रकारिता का प्रभाव 131

पंचम अध्याय

❖ **साहित्येत्तर शिक्षा के संदर्भ में पत्रकारिता का योगदान** 142–173

5.1 ई–गवर्नेंस, ई–जर्नलिज़्म और उसकी लोकप्रियता 148

5.2 इंटरनेट पत्रकारिता में शिक्षा की सीमाएँ एवं वर्तमान स्थिति 162

षष्ठम अध्याय

❖ **प्रश्नावली एवं साक्षात्कार** 174–200

6.1 प्रश्नावली 174

6.2 परिशिष्ट– पारिभाषिक शब्दावली 180

6.3 साक्षात्कार 183

अ. विभिन्न पत्रकारों से 183

ब. मीड़िया पदाधिकारियों से 193

स. छात्रों से 196

ड. उद्योगपतियों से 197

सप्तम अध्याय

❖ **उपसंहार** 201

➢ **सहायक ग्रंथ–सूची एवं अन्य सहायक स्त्रोत** 212

➢ पत्र–पत्रिकाएँ 217

➢ समाचार पत्र 217

➢ वेबसाइटस 217

➢ विभिन्न पत्रकार एवं मीडिया के लोगों से साक्षात्कार 217

➢ अंग्रेज़ी पुस्तकें 218

➢ शोध पत्र प्रकाशित 219

➢ शोध पत्र प्रस्तुत 219

प्रथम अध्याय–

पत्रकारिता की अवधारणा, अर्थ एवं स्वरूप

द्वितीय अध्याय–

मानव जीवन में शिक्षा की भूमिका एवं उसके विविध स्त्रोत

तृतीय अध्याय–

शिक्षा एवं पत्रकारिता का अन्योन्याश्रित संबंध–विभिन्न पहलू

चतुर्थ अध्याय–

साहित्यिक शिक्षा के संदर्भ में पत्रकारिता का योगदान

पंचम अध्याय–

साहित्येत्तर शिक्षा के संदर्भ में पत्रकारिता का योगदान

षष्ठम अध्याय–

प्रश्नावली एवं साक्षात्कार

सप्तम अध्याय–

उपसंहार

सहायक ग्रंथ–सूची एवं अन्य सहायक स्त्रोत